सातवें आयुर्वेद पर्व एवं धन्वंतरि जयंती साप्ताहिक समारोह का समापन : 22-10-2022

गोरखपुर, 22 अक्टूबर (हि.स.)। भगवान धन्वंतरि आरोग्यता के देवता हैं और आरोग्य का मूल है सम्यक तरीके से धर्म, अर्थ, काम एवं मोक्ष की प्राप्ति। आयुर्वेद मूलतः आरोग्यता की धारणा को व्यवहारिक रूप से जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम है। आयुर्वेद मरीजों की चिकित्सा करते समय कोई भी भेद नहीं करता है।

यह बातें बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में रस शास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो. के. रामचंद्र रेड्डी ने कही। वह शनिवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय आरोग्यधाम बालापार के गुरु श्री गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) में सातवें आयुर्वेद पर्व एवं धन्वंतरि जयंती साप्ताहिक समारोह के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे।

प्रो. रेड्डी ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा की अमूल्य धरोहर आयुर्वेद सबके लिए है। व्याधि, वेदना और मृत्यु के भय को दूर करना आयुर्वेद का लक्ष्य है। कोरोना जैसे वैश्विक संकटकाल में पूरे विश्व को आयुर्वेद की महत्ता को स्वीकार करना पड़ा। यह भारत समेत समूची दुनिया को कोरोना त्रासदी से उबारने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। हानिरहित यह चिकित्सा पद्धति, एक बार फिर अपने प्राचीन गौरव की तरफ तेजी से उन्मुख है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा जगत की तमाम तरक्की के बावजूद मानसिक स्वास्थ्य की रक्षा आज के दौर की बड़ी चुनौती है। इसका पूर्ण समाधान आयुर्वेद और योग को अपनी जीवनशैली में अपनाकर किया जा सकता है।

समापन समारोह की अध्यक्षता करते हुए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ अतुल वाजपेयी ने आयुर्वेद को प्राचीनतम एवं शाश्वत विज्ञान बताया। डॉ. वाजपेयी ने छात्रों को आयुर्वेद का सार समाज के सामने लाने तथा अपने ज्ञान से समाज को लाभान्वित करने का संकल्प लेने का आह्वान किया। स्वागत संबोधन गुरु श्री गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज की प्राचार्य डॉ. डीएस अजीथा ने दिया। इस दौरान विविध प्रतियोगिताओं के विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया।

वृहद स्वास्थ्य मेला का भी हुआ आयोजन

आयुर्वेद एवं धन्वंतरि पर्व के अंतर्गत शनिवार को धन्वंतरि जयंती पर गुरु श्री गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) में विधि विधान से धन्वंतरि पूजन-यज्ञ किया गया। पूजन एवं यज्ञ का कार्यक्रम गुरु गोरक्षनाथ संस्कृत विद्यापीठ के प्राचार्य डॉ. अरविंद कुमार चतुर्वेदी, डॉ रंगनाथ त्रिपाठी ने संपन्न कराया। पूजन में कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव, आचार्य साध्वी नंदन पांडेय, सभी शिक्षक, सभी कर्मचारी एवं सभी विद्यार्थी सम्मिलित हुए। इसी क्रम में विश्वविद्यालय परिसर स्थित महंत दिग्विजयनाथ आयुर्वेद चिकित्सालय में वृहद स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया। इस दौरान 412 मरीजों को नि:शुल्क चिकित्सकीय सेवा का लाभ मिला।

सातवाँ आयुर्वेद पर्व एवं धन्वंतरि जयन्ती
आज़ादी का अमृत महोत्सव
कार्यक्रम
कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी, धनतेरस, संवत् 2079 तदनुसार
22 अक्टूबर, 2022 • शनिवार, पूर्वाह्न 10.00 बजे
सानिध्य : प्रो. उदय प्रताप सिंह
अध्यक्ष : मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई (से.नि.)
मुख्य अतिथि : डॉ. जी.एन. सिंह
विशिष्ट अतिथि : प्रो. डॉ. के. रामचन्द्र रेड्डी
श्री गोरक्षनाथ
महर्षि चरक
महर्षि कश्यप
महर्षि वाग्भट्ट
महर्षि सुश्रुत

सातवाँ आयुर्वेद पर्व एवं धन्वंतरि जयन्ती
आज़ादी का अमृत महोत्सव
कार्यक्रम
कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी, धनतेरस, संवत् 2079 तदनुसार
22 अक्टूबर, 2022 • शनिवार, पूर्वाह्न 10.00 बजे
सानिध्य : प्रो. उदय प्रताप सिंह
अध्यक्ष : मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई (से.नि.)
मुख्य अतिथि : डॉ. जी.एन. सिंह
विशिष्ट अतिथि : प्रो. डॉ. के. रामचन्द्र रेड्डी
धन्वंतरि स्तोत्रम्
महर्षि पुनर्वसु आत्रेय

सातवाँ आयुर्वेद पर्व एवं धन्वंतरि जयन्ती
कार्यक्रम
कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी, धनतेरस, संवत 2079 तदनुसार
22 अक्टूबर, 2022 • शनिवार, पूर्वाह्न 10.00 बजे
सानिध्य : प्रो. उदय प्रताप सिंह
अध्यक्ष : मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई
मुख्य अतिथि : डॉ. जी.एन. सिंह
विशिष्ट अतिथि : प्रो. डॉ. के. रामचन्द्र रेड्डी

सातवाँ आयुर्वेद पर्व एवं धन्वंतरि जयन्ती
आज़ादी का अमृत महोत्सव
कार्यक्रम
कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी, धनतेरस, संवत 2079 तदनुस
22 अक्टूबर, 2022 • शनिवार, पूर्वाह्न 10.00
सानिध्य : प्रो. उदय प्रताप सिंह
प्रतिकुलाधिपति, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोर
अध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर
अध्यक्ष : मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई
कुलपति, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर
आरोग्य धाम, बालापार, गोरखपुर
मुख्य अतिथि : डॉ. जी.एन. सिंह
पूर्व औषधि नियंत्रक, उत्तर प्रदेश सरकार
सलाहकार, मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार
विशिष्ट अतिथि : प्रो. डॉ. के. रामचन्द्र रेड्डी
श्री गोरखनाथ
महर्षि चरक
महर्षि वाग्भट्ट
महर्षि सुश्रुत
स्तोत्रम्
वृहद स्वास्थ्य मेल

सातवाँ आयुर्वेद पर्व एवं धन्वंतरि जयन्ती
आज़ादी का अमृत महोत्सव
कार्यक्रम
कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी, धनतेरस, संवत 2079 तदनुसार
22 अक्टूबर, 2022 • शनिवार, पूर्वाह्न 10.00 बजे
सानिध्य : प्रो. उदय प्रताप सिंह
अध्यक्ष : मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई (से.नि.)
मुख्य अतिथि : डॉ. जी.एन. सिंह
विशिष्ट अतिथि : प्रो. डॉ. के. रामचन्द्र रेड्डी
श्री गोरक्षनाथ
महर्षि चरक
महर्षि वाग्भट्ट
महर्षि सुश्रुत

सातवाँ आयुर्वेद पर्व एवं धन्वंतरि जयन्ती
कार्यक्रम
22 अक्टूबर, 2022 • शनिवार, पूर्वाह्न 10.00 बजे
वृहद स्वास्थ्य मेला

न्वंतरि जयन्ती
विश्वविद्यालय गोरखपुर

सातवाँ आयुर्वेद पर्व एवं धन्वंतरि जयन्ती
कार्यक्रम
गुरु गोरखनाथ इन्स्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज)
महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर
वृहद स्वास्थ्य मेला

सातवाँ आयुर्वेद पर्व एवं धन्वंतरि जयन्ती

सातवाँ आयुर्वेद पर्व एवं धन्वंतरि जयन्ती
आज़ादी का अमृत महोत्सव
कार्यक्रम
कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी, धनतेरस, संवत् 2079 तदनुसार
22 अक्टूबर, 2022 • शनिवार, पूर्वाह्न 10.00 बजे
सानिध्य : प्रो. उदय प्रताप सिंह
अध्यक्ष : मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई
मुख्य अतिथि : डॉ. जी.एन. सिंह
विशिष्ट अतिथि : प्रो. डॉ. के. रामचन्द्र रेड्डी
श्री गोरक्षनाथ
महर्षि चरक
महर्षि वाग्भट्ट
महर्षि सुश्रुत
स्वास्थ्य मेला